समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

पाकिस्तान के ड्रोन अटैक की कोशिश को कैसे भारत ने किया फेल, भारतीय सेना ने जारी किया।

Publisher

Published on 09 May 2025

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल हमलों को नाकाम कर दिया. इस बीच संघर्षविराम उल्लंघन का भी जोरदार जवाब दिया गया.

भारतीय सेना ने शुक्रवार (9 मई) को बताया कि पाकिस्तान के सशस्त्र बलों ने गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात को पूरी पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का इस्तेमाल करते हुए कई हमले किये, जिन्हें ''प्रभावी ढंग से विफल'' कर दिया गया. भारतीय सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट साझा करके बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर 'संघर्ष विराम समझौते का कई बार उल्लंघन' किया.

इस पोस्ट के साथ एक छोटा वीडियो क्लिप भी साझा किया गया है. सेना ने कहा कि सभी नापाक इरादों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा. सेना ने लिखा, '''ऑपरेशन सिंदूर'. पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने आठ और नौ मई 2025 की दरम्यानी रात को पूरी पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का उपयोग करके कई हमले किए. पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का भी कई बार उल्लंघन किया.

संघर्ष विराम उल्लंघन का दिया मुंहतोड़ जवाब

भारतीय सेना ने कहा कि ड्रोन हमलों को 'प्रभावी ढंग से विफल किया गया और संघर्ष विराम उल्लंघन का ''मुंहतोड़ जवाब'' दिया गया. उसने कहा, ''भारतीय सेना राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. सभी नापाक मंसूबों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा.'' यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में बुधवार को

नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए थे.

पाकिस्तान हमले को किया नाकाम

रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा था कि भारत में सैन्य अड्डों पर किसी भी हमले का उचित जवाब दिया जाएगा. रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार देर रात जारी बयान में कहा, ‘‘आज जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों ने जम्मू, पठानकोट और उधमपुर में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया. स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुरूप ‘काइनेटिक’ और ‘नॉन-काइटनेटिक’ क्षमताओं का उपयोग करके खतरों को तेजी से निष्प्रभावी कर दिया गया.

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.